

Hindi Murli Quiz 29-07-2015

Max Time Allowed: 15 min

Q.1) सब हैं ही रावण राज्य में। अभी तुम श्रेष्ठाचारी बन रहे हो। बाप आकर श्रेष्ठाचारी दुनिया बनाते हैं। _____ में बैठने से ऐसे-ऐसे विचार सागर मंथन चलेगा।

- एकान्त
- ekaant
- ekant
- ekanth
- ekaanth
- akant
- akaant
- akaanth
- akaent
- akaenth
- alone
- silence
- lonely

Q.2) इनको रावण राज्य, आसुरी राज्य कहा जाता है।

- A. ☐ मनुष्य कहते भी हैं अर्थात् समझ रखते हैं।
- B. ☒ मनुष्य कहते भी हैं परन्तु समझते नहीं हैं।
- C. ☐ और मनुष्य यह कह न सकें।

Q.3) इनमें से सही वाक्यों का चयन करें -

- A. ☐ रड़ियाँ मारेंगे-भगवान आया है, तो सब कोई मानेंगे।
- B. ☒ कृष्ण के चरित्र क्या हैं? वह तो सतयुग का प्रिन्स है। उनको पतित-पावन नहीं कहा जाता।
- C. ☒ तुम्हारी आत्मा में पार्ट भरा हुआ है। सतयुग त्रेता में जो पार्ट कल्प पहले बजाया है वही बजायेंगे।
- D. ☒ सुबह का क्लास होता है - आधा पौना घण्टा, मुरली सुनकर फिर चले जाओ।
- E. ☒ बाप कहते हैं तुम मुझे कहते हो बाबा पतित दुनिया, पतित शरीर में आओ, आकर हमको शिक्षा दो।
- F. ☒ दुनिया में कोई नहीं समझते यह बेहद का नाटक है। इनको समझने में भी टाइम लगता है।

Explanation: रड़ियाँ मारेंगे-भगवान आया है, तो कोई मानेगा नहीं।

Q.4) बाप आकर समझाते हैं अपने को आत्मा समझकर बैठो तब ही

(सबसे सटीक एक ही उत्तर का चयन करें)

- A. ☐ ड्रामा के ज्ञान को उपयोग कर सकेंगे।
- B. ☐ सेवा कर सकेंगे।
- C. ☒ बाप याद आयेगा।

Q.5) Match the following

	Choice	Match
A	बापदादा द्वारा ब्राह्मण जन्म होते ही	सारे दिन के लिए अनेक श्रेष्ठ खुशी के खजाने प्राप्त होते हैं
B	इसलिए आपके नाम से ही अब तक अनेक भक्त	अल्पकाल की खुशी में आ जाते हैं, आपके जड़ चित्रों को देखकर खुशी में नाचने लगते हैं।
C	ऐसे आप सब खुशनीसीब हो, बहुत	खजाने मिले हैं लेकिन सिर्फ समय पर यूज करो।
D	चाबी को सदा सामने रखो अर्थात्	सदा स्मृति में रखो।
E	और स्मृति को स्वरूप में लाओ	तो निरन्तर खुशी का अनुभव होता रहेगा।

Q.6) बाप की श्रेष्ठ आशाओं का _____ जगाने वाले ही कुल _____ हैं।

- दीपक
- deepak
- dipak
- deeppek
- depek
- dipek
- dipac
- deepac
- depac
- dheepak

Q.7) इनमें से सही वाक्यों का चयन करें -

- A. ☒ तुम्हारी याद की यात्रा पूरी तब होगी जब तुम्हारी कोई भी कर्मेन्द्रियां धोखा न दें।
- B. ☐ तुम बच्चों को ही सर्विस करनी है। दिन-प्रतिदिन बहुत मुश्किल होता जाता है।
- C. ☒ सर्विस में मान-अपमान, दुःख-सुख, ठण्डी-गर्मी, सब सहन करनी है।
- D. ☒ मनुष्य तो यह भी नहीं जानते कि आत्माओं की दुनिया होती है।
- E. ☐ जैसे लौकिक बाप को हद के खयालात रहते हैं, वैसे पारलौकिक बाप को बेहद के खयाल नहीं रहते हैं।

Explanation: तुम बच्चों को ही सर्विस करनी है। दिन-प्रतिदिन बहुत सहज होता जाता है।

Q.8) अच्छा, बाबा पूछते हैं, कृष्ण को त्रिलोकीनाथ कहा जा सकता है?

- A. ☒ ना
- B. ☐ हाँ

Q.9) पारसपुरी के मालिक तो लक्ष्मी-नारायण हैं। ऐसे कहेंगे कि विष्णु हैं।

- A. ☒ False
- B. ☐ True

Explanation: पारसपुरी के मालिक तो लक्ष्मी-नारायण हैं। ऐसे भी नहीं कहेंगे कि विष्णु हैं।

Q.10) यह तो प्रजापिता ब्रह्मा है ना। प्रजापिता ब्रह्मा को ग्रेट-ग्रेट ग्रैन्ड फादर कह सकते हैं, शिवबाबा को सिर्फ बाबा ही कहेंगे।

- A. ☐ False
- B. ☒ True